卐 श्री सदगुरू देवाय नमः 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐 卐 जय बाबा की 卐 卐 श्याम बाबा 卐 卐
❀ उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः ❀ आदाय तेनैव ददाह लंकां नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम् ❀
❀ मनोजवं मारूत तुल्य वेगं जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् ❀ वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये ❀

रंगों का पर्व होली की हार्दिक बधाई

केन्द्र व उत्तराखण्ड सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

बुरा न मानो होली है!

उत्तरांचल दर्पण

ॐ शरवणभव卐 ॐ शरवणभव卐 ॐ शरवणभव卐 ॐ शरवणभव卐

♦वर्ष 23 ♦अंक 151 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦मंगलवार ♦7 मार्च 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

विरोधियों की घेराबंदी के चलते बदलेगा सीएम का चेहरा!

हाईकमान ने नये सीएम के चयन के लिए दिल्ली में बुलाई बैठक, सीएम धामी को भी किया तलब

देहरादून(होली ब्यूरो)। प्रदेश में ही नही बल्कि देश में लोकप्रिय हो रहे उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के खिलाफ पार्टी के अन्दर ही उनके विरोधियों ने एक बार फिर उनके खिलाफ मोर्चो खोल दिया है। इससे पहले विधानसभा चुनाव में उनके ही गृह क्षेत्र में धामी को हार का स्वाद चखा चुके पार्टी के विभिषण इस बार ताज छीनने की पूरी तैयारी कर चुके है । उत्तराखण्ड में सीएम का चेहरा एक बार फिर बदलने की कवायद तेज हो गयी है। माना जा रहा है कि होली के बाद प्रदेश में नये सीएम की ताजपोशी कर दी जायेगी। नई दिल्ली में आयोजित भाजपा हाईकमान की बैठक में यह फैसला लिया गया है। प्रदेश में अब युवा सीएम की जगह किसी अनुभवी और वरिष्ठ नेता को कमान सौंपने की संभावना जतायी जा रही है। मुख्यमंत्री के लिए वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी, सतपाल महाराज, अनिल बलूनी और भगत सिंह कोश्यारी के नामों पर विचार किया जा रहा है। विधानसभा चुनाव से करीब एक वर्ष पहले भाजपा हाइकमान ने कई वरिष्ठ चेहरों को दरकिनार कर खटीमा के युवा विधायक पुष्कर सिंह धामी पर भरोसा जताते हुए उन्हें सीएम पद की कमान सौंपी थी। सीएम बनने के बाद करीब एक साल के पहले कार्यकाल में धामी ने धमाकेदार शुरूआत करते हुए कई बड़े फैसले लेकर जनता का दिल जीत लिया। जिसका भाजपा को लाभ भी मिला। नतीजा यह हुआ कि सीएम खुद अपनी सीट हार गये लेकिन प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनाने में कामयाब हो गये। हारने के बाद भी सीएम को उनकी मेहनत का ईनाम मिला और हाईकमान ने एक बार सीएम के रूप में उनकी ताजपोशी कर दी। हालाकि धामी की पुनः सीएम के रूप में ताजपोशी उनके कुछ विरोधियों को अखर रही ही थी। भाजपा के कई धुरंधर सीएम बनने का सपना देख रहे थे और इसके लिए वह धामी की हार के लिए बेताब थे। बताया तो यहां तक जाता है कि धामी को विधानसभा चुनाव हराने के लिए कुछ नेताओं ने खटीमा में चाणक्य नीति के तहत काम किया था। जिसमें वह सफल भी हो गये। लेकिन उनके मंसूबे कामयाब नहीं हुए और हार के बावजूद धामी को हाईकमान ने फिर से सीएम बना दिया। सूत्र बताते हैं कि धामी को सीएम बनाने के लिए जिन लोगों ने खेल खेला था उन्हें सबक सिखाने के लिए भी धामी को पुनः प्रदेश की कमान सौंपी गयी। साथ ही धामी के खिलाफ षडयंत्र रचने वालों के हाईकमान ने पर भी कतर दिये। ताकि भविष्य में ऐसा करने वालों को सबक मिले। धामी की पुनः ताजपोशी के बाद पार्टी के ही कुछ नेता उनके खिलाफ ताना बाना बुन रहे थे। जिसमें अब वह कामयाब होते नजर आ रहे हैं। बताया जाता है कि धामी के खिलाफ अंदरखाने पिछले कुछ समय से पूरी लॉबी तैयार हो रही थी। यहां तक सरकार गिराने तक की तैयारी चल रही थी। पार्टी में उठापठक ना हो इसके लिए अब हाईकमान ने प्रदेश में नये सीएम की ताजपोशी का मन बना लिया है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में आयोजित पार्टी की गोपनीय बैठक में होली के बाद प्रदेश में सीएम बदलने का निर्णय लिया गया है। इस बैठक से पहले सीएम धामी समेत प्रदेश के कई वरिष्ठ नेताओं को हाईकमान ने दिल्ली तलब किया था। सूत्र बताते हैं कि प्रदेश में नये सीएम के लिए वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी, सतपाल महाराज, अनिल बलूनी और भगत सिंह कोश्यारी के नामों पर चर्चा की जा रही है। बहरहाल नया सीएम कौन होगा यह अभी भविष्य के गर्भ में है।

धामी का ऐलान: नजूल पर मुफ्त मिलेगा मालिकाना हक

एक करोड़ से अधिक की प्रापर्टी वालों को देना होगा शुल्क

देहरादून(होली ब्यूरो)। प्रदेश के युवा मुख्यमंत्री ने होली पर नजूल भूमि पर बसे हजारों लोगों को तोहफा दिया है। सीएम धामी ने बहुप्रतीक्षित नजूल नीति का ऐलान करते हुए नजूल भूमि पर बसे लोगों को मुफ्त में मालिकाना हक देने का ऐलान किया है। अब नजूल भूमि पर केवल उन्हीं का नियमितीकरण का शुल्क देना होगा जिनकी प्रापर्टी की कीमत एक करोड़ से अधिक है। बता दें नजूल पर मालिकाना हक की मांग दशकों से उठ रही थी। इसके लिए लम्बे समय से प्रयास किये जा रहे थे। निवर्तमान विधायक दस साल तक विधायक रहते हुए कई बार इस मामले को विधानसभा सत्र में उठा चुके थे। ठुकराल ने नजूल भूमि पर मालिकाना हक नहीं दिला पाने पर चुनावन लड़ने का ऐलान भी किया था। दूसरी तरफ मेयर रामपाल ने अपने चुनाव लड़ने के दौरान ऐलान किया था कि जब तक नजूल भूमि पर मालिकाना हक नहीं मिलेगा तब तक वह अपने कार्यालय में मेयर वाली कुर्सी पर नहीं बैठेंगे। उनकी यह मामला

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी चला जिसके बाद सरकार ने एक साल पहले नजूल नीति की घोषणा की थी लेकिन इस नीति का लाभ लोगों को नही मिल पाया। क्योंकि नीति इतनी जटिल थी कि लोग इसके नियमों को पूरा नहीं करा पा रहा थे। जिसके चलते मात्र दो चार लोग ही इसका लाभ उठा पाये थे। पिछले दिनों विधायक शिव अरोरा ने पुनः इस मामले को विधानसभा में उठाया था। साथ ही मुख्यमंत्री धामी से व्यक्तिगत रूप से भी मिलकर नई व्यवहारिक नजूल नीति बनाने की गुहार लगायी थी। शिव अरोरा ने यह भी फीडबैक दिया था कि यदि नजूल भूमि पर मालिकाना हक नहीं मिला तो आगामी निकाय और 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में इसका खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ सकता है। जिसके चलते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नजूल भूमि पर मालिकाना हक दिलाने के लिए नई नीति बनाने हेतु एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। इस समिति ने नजूल भूमि पर बसे लोगों पर मालिकाना हक दिलाने के सम्बंध में अपनी विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप दी। विशेषज्ञ समिति ने भी सीएम को यह सुझाव दिया था कि यदि नजूल भूमि पर लोगों को निःशुल्क मालिकाना हक मिल जाये तो पार्टी को इसका लाभ आगामी चुनावों में मिलेगा साथ ही बतौर सीएम धामी को भी इसका लाभ मिलेगा और उनके गृह जनपद के लिए यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। सीएम ने सियासी मुनाफे को देखते हुए नजूल भूमि पर मालिकाना हक के इस मामले आखिरकार विचार विमर्श के बाद नई नजूल नीति का ऐलान कर दिया है। इस नीति का लाभ हजारों लोगों को मिलेगा। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि नई नजूल नीति के तहत अब एक करोड़ से कम कीमत की प्रापर्टी वाले सभी कब्जेधारकों को उनकी भूमि पर मालिकाना हक दिया जायेगा। जबकि जिन लोगों की प्रापर्टी एक करोड़ की कीमत से अधिक है उन्हें मालिकाना हक के लिए शुल्क (शेष पृष्ठ 7 पर)

वरिष्ठ समाजसेवी रोहताश बत्रा बने चिकित्सक

चिकित्सक बनने की खुशी में बत्रा ने होली पर रखी बड़ी पार्टी

रूद्रपुर (होली ब्यूरो)। क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रसिद्व उद्योगपति रोहताश बत्रा चिकित्सक बन गये है। श्री बत्रा ने हाल ही में एमडी (फिजीशन) की डिग्री हासिल की है। यह जानकारी देते हुये द मेडिसिटी हॉस्पिटल के एमडी

एवं सुप्रसिद्व बाल रोग चिकित्सक डा0 दीपक छाबड़ा ने बताया कि श्री बत्रा पिछले कई वर्षो से बेरोजगार घूम रहे थे तो वही अस्पताल में भी फिजीशन डाक्टर की आवश्यकता थी। जिस पर उन्होंने श्री बत्रा से बात करते हुये उन्हे चिकित्सक बनने के लिये प्रेरित किया। जिस पर श्री बत्रा एसबीबीएस करने को राजी हो गये और उन्होंने पाकिस्तान के एक मेडिकल कालेज में एडमीशन ले लिया। श्री बत्रा ने दो वर्ष पूर्व एमबीबीएस करने के बाद वही से एमडी(फिजीशन) की डिग्री हासिल की। श्री बत्रा के यह डिग्री हासिल करने पर उनके परिजनों के साथ-साथ पूरे समाज में हर्ष की लहर है और उन्हे बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। वही प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री कोश्यारी और राज्य रक्षा मंत्री अजय भट्ट ने श्री बत्रा को फोन कर उनकी इस उपलब्धि पर हर्ष जताया है। डा0 दीपक छाबड़ा ने बताया कि श्री बत्रा एक दिन भी पाकिस्तान नही गये और (शेष पृष्ठ 7 पर)

शिव अरोरा मिला राज्य मंत्री का दायित्व

रूद्रपुर(होली ब्यूरो)।होली से पहले प्रदेश की धामी सरकार ने पार्टी के कई लोगों को दायित्वों से नवाजा है। इसमें एक दायित्व रूद्रपुर के विधायक शिव अरोरा को भी मिला है। शिव अरोरा को बीज प्रमाणीकरण संस्था का अध्यक्ष बनाकर राज्य

मंत्री का दर्जा दिया गया है। हालाकि शिव अरोरा इस दायित्व से नाखुश हैं वह कैबिनेट मंत्री बनने की जिद पर अड़े हैं। उनका कहना है कि उनकी डील कैबिनेट मंत्री पद के लिए हुई थी जिसके साथ डील हुई उसने कैबिनेट मंत्री की जगह बीज प्रमाणीकरण संस्था का अध्यक्ष बनाकर उनके साथ छल-प्रपंच किया है। बता दें धामी सरकार लम्बे समय से दायित्वों का वितरण करने की तैयारी कर रही थी। इसके लिए हाईकमान से वार्ता हो चुकी थी। कुछ नामों पर संशय बना हुआ था जिसके चलते घोषणा बार बार टलती जा रही थी। अब सरकार ने दायित्व धारियों की घोषणा कर दी है। रूद्रपुर में विधायक शिव अरोरा को राज्य मंत्री का दर्जा देकर बीज प्रमाणीकरण संस्था का अध्यक्ष बना दिया गया है। शिव अरोरा को दर्जा मंत्री का दायित्व मिलने से जहां उनके समर्थक खुश है वहीं शिव अरोरा इससे जरा भी खुश नहीं है। उनका (शेष पृष्ठ 7 पर)

पूर्व विधायक ठुकराल की हुई घर वापसी

भाजपा मेरी मॉ,इससे अलग नही रह सकता-ठुकराल

देहरादून/रूद्रपुर(होली ब्यूरो)।। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल की आखिरकार भाजपा में घर वापसी हो गयी है। उन्होंने देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, केन्द्रीय मंत्री अजय भट्ट के समक्ष हजारों समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थाम लिया। फिलहाल ठुकराल बिना शर्त वापसी हुयी है। हालाकि सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने और आगामी निकाय और लोकसभा चुनाव में स्टार प्रचारक बनाने के लिए आश्वस्त किया है। बता दें दो बार के विधायक राजकुमार ठुकराल का 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने टिकट काट दिया था। टिकट काटने की वजह कुछ और नहीं बल्कि ठुकराल की बदजुबानी थी। उनकी बदजुबानी के

कई ऑडियो और वीडियो वायरल हो गये थे जो हाईकमान तक पहुंच गये। ठुकराल इन ऑडियो वीडियो को लेकर लाख सफाई देते रहे लेकिन उनकी नहीं चली और आखिर कार उनका टिकट काटकर शिव अरोरा को प्रत्याशी बनाया गया। जिस पर ठुकराल ने पार्टी से बगावत करके निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। जिसमें वह तीसरे नम्बर पर रहे। ठुकराल ने भाजपा से बगावत जरूर की लेकिन उन्होंने पूरे चुनाव के दौरान और उसके बाद भी एक शब्द भी पार्टी के खिलाफ नहीं बोला। बल्कि वह हमेशा नरेन्द्र मोदी को अपना आदर्श बताते रहे। उन्होंने पूरे चुनाव के दौरान अपना गुस्सा शिव अरोरा पर ही निकाला। चुनाव के बाद से ही यह कयास लगाये जा रहे थे कि ठुकराल की भाजपा में घर वापसी हो सकती है। पिछले दिनों भाजपा की ओर से इसके लिए प्रयास भी हुए लेकिन ठुकराल ने फिलहाल खुद को न्यूटल रखा। दरअसल ठुकराल आगामी निकाय चुनाव का इंतजार कर रहे थे और निकाय चुनाव (शेष पृष्ठ 7 पर)

पम्मा की मेहनत लाई रंग पालिका अध्यक्ष की गई कुर्सी

जिला पंचायत सदस्य त्रिनाथ विश्वास, नगर पंचायत अध्यक्ष हामिद की कुर्सी जाने के बाद जागी थी न्याय की उम्मीद

गदरपुर। पालिका अध्यक्ष और सभासद परमजीत सिंह पम्मा के बीच विवाद की खबरें तो अक्सर पढ़ी जाती है लेकिन इस बार बड़ा हड़कंप मचाते हुए परमजीत सिंह पम्मा ने कागजी लड़ाई लड़ते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सामने चेयरमैन के भ्रष्टाचार की पोल खोल कर रख दी और जिलाधिकारी पर भी मिलीभगत का आरोप लगा दिया जिस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सारे सबूतों के आधार पर तुरंत एक्शन लेते हुए जिला अधिकारी उधम सिंह नगर को आदेश दिए और गदरपुर पालिका अध्यक्ष की कुर्सी खाली करवा दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार गदरपुर पालिका अध्यक्ष और सभासद परमजीत सिंह पम्मा के बीच हमेशा तनातनी बनी रहती थी और परमजीत सिंह पम्मा हमेशा पालिका अध्यक्ष के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ते रहे परमजीत सिंह पम्मा ने बताया कि जिला पंचायत सदस्य त्रिनाथ विश्वास की कुर्सी भी कागजी कार्यवाही के बाद चली गई वही नगर पंचायत अध्यक्ष हामिद अली की कुर्सी भी कागजी कार्यवाही के बाद चली गई जिसके बाद से मुझे प्रशासन पर और भरोसा हो गया था और मैंने भी बड़े स्तर पर कार्यवाही का मन बना लिया और पिछले सप्ताह देहरादून में जाकर डेरा डाल दिया और

गदरपुर चेयरमैन के भ्रष्टाचार की पूरी कहानी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सुना डाली परमजीत सिंह पम्मा का आरोप है कि उधम सिंह नगर के जिला अधिकारी भी जांच पूरी होने के बाद मामले को टालमटोल करने में लगे हुए हैं वही पुष्कर सिंह धामी ने सभी सबूतों को देखते हुए तुरंत एक्शन लिया और जिलाधिकारी उधम सिंह नगर को तुरंत निर्देश दिए और गदरपुर चेयरमैन की सीट रिक्त घोषित कर दि परमजीत सिंह पम्मा के देहरादून से लौटते ही उसके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और परमजीत सिंह पम्मा को सोशल मीडिया के माध्यम से ढेरों बधाइयां मिलने लगी परमजीत सिंह पम्मा ने कहा कि अगर किसी काम को इंसान सच्चे मन से करें तो उसे कामयाबी जरूर मिलती है वही सभासद मिंटू गुंबर ने परमजीत सिंह पम्मा का माल्यार्पण कर स्वागत किया और आतिशबाजी करते हुए खुशियां मनाई दूसरी ओर शहर में पालिका अध्यक्ष की कुर्सी जाने के बाद शहर में तरह तरह की अफवाहों का माहौल गर्म हो गया।

जय किशन अरोरा ने लिया संन्यास बोले अब कभी नही बनूंगा प्रेस क्लब

सर्व सहमति से मुकेश पाल को बनाया नया प्रेस क्लब अध्यक्ष

गदरपुर। गदरपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष जय किशन अरोड़ा ने प्रेस क्लब अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा बोले जिंदगी में कभी नहीं बनूंगा प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रेस क्लब अध्यक्ष जय किशन अरोड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया कि वह अपनी प्रेस क्लब के अध्यक्ष पद से हमेशा के लिए इस्तीफा दे रहे हैं उन्होंने कहा कि अब मैं आराम से बैठ कर राजकीय इंटर कॉलेज के सामने अपना मॉल चलाना चाहता हूं जहां पर एक ही छत के नीचे सारा सामान खरीदने की व्यवस्था है उन्हें ज्यादा से ज्यादा लोगों से अपील की कि वह भी मॉल से विशेष छूट के साथ सामान खरीदें इस दौरान उन्होंने बताया कि मेरे ग्रुप के अन्य पत्रकार साथियों को भी मौका मिलना चाहिए अब मैं भविष्य में कभी भी अध्यक्ष पद पर नहीं रहूंगा लेकिन अपने पत्रकार साथियों के टच में हमेशा रहूंगा वही नए अध्यक्ष के लिए 3 नाम निकल कर आए जिसमें से पहला गौरव बता दूसरा उमर अली वह तीसरा मुकेश पाल लेकिन सभी ने मिलकर निर्णय लिया कि चुनाव ना कर के किसी एक को निर्विरोध अध्यक्ष बनाया जाए सर्व सहमति से सभी पत्रकारों ने लगभग 15 साल से पत्रकारिता कर रहे मुकेश पाल को

निर्विरोध प्रेस क्लब अध्यक्ष बनाकर फूल मालाओं से स्वागत किया। मुकेश पाल ने बताया कि सभी पत्रकार साथियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा हूं और किसी भी पत्रकार साथी का उत्पीड़न नहीं होने दूंगा उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिये अब दलाली और बसूली बंद कर निरंतर अभियान लगाकर सरकार को परेशान किया जायेगा। नेताओं और पार्षदो को एक मंच पर बुलाकर विकास के काम को गति देने के लिये कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी। इस दौरान पत्रकार जसपाल डोगरा, उमर अली, गौरव बत्रा, सतीश बत्रा, अमित तनेजा, महेंद्र पाल सिंह, रिजवान अख्तर, नायाब सिंह धालीवाल, बाबा देवेंद्र सिंह, राजू चावला, देवेंद्र चौधरी सहित अन्य पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

गदरपुर के रंगीले पत्रकार

जयकिशन अरोरा = मैं हूं डॉन
नायब सिंह धारीवाल = विज्ञापन नहीं दूंगा
अमरजीत = घुमा के लाऊं
अशोक छाबड़ा = पटाखे नहीं दूंगा
संजीव डोडा =किसी की भी नहीं सुनूंगा
जसपाल डोगरा= सब का आशीर्वाद
सतीश बत्रा =पत्रकारिता की आड़ में फोटोग्राफी,
गौरव बत्रा= चाचा जी प्रणाम
अमित तनेजा= मैं ऐसी तैसी कर दूंगा
उमर अली= दबंग पत्रकार
इंद्रजीत सिंह पूनिया =बॉडी लिफ्टर
महेंद्र सिंह = पब्लिक एप मेरा है
राजीव चावला= जय माता दी
रिजवान अहमद= समस्याओं के लिए मिले
देवेंद्र सिंह= विज्ञापन मुझे भी दो
देवेंद्र चौधरी= समाचार के लिए संपर्क करें
मुकेश पाल= ईमानदार पत्रकार

गदरपुर के निकम्मे पुलिसकर्मी:

थाना अध्यक्ष राजेश पांडे - मेरी पहुंच ऊपर तक है
उपनिरीक्षक ओम प्रकाश- थानाध्यक्ष था चौकी में बैठा हूं
उप निरीक्षक राकेश कठैत- विधायक का पड़ोसी हूं
उपनिरीक्षक महेश चंद्र- थाने में दिल नहीं लग रहा
उपनिरीक्षक चंद्र सिंह -पटाखा मार बुलेट वालों की खैर नहीं
उपनिरीक्षक भूपेंद्र रनसवाल- खतरनाक क्षेत्र में पोस्टिंग है
उपनिरीक्षक कुसुम रावत- किसी महिला का घर टूटने नहीं दूंगी
मुंशी गणेश प्रसाद- काम बहुत है यार
मुंशी महेश पंत -काम से फ्री होकर मिलता हूं

गदरपुर के व्यापारी:

श्याम लाल सुखीजा =ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर
हरिचंद छाबड़ा= मंदिर हम बनाएंगे
धर्मचंद खेड़ा= कांग्रेसी हैं कांग्रेसी रहेंगे
हरनाम दास सेतिया= सब को आशीर्वाद
राजेंद्र पाल सिंह राजू =सटीक जानकारी के दमदार नेता
विधायक अरविंद पांडे= जोर से बोलो जय श्री राम
अशोक हुड़िया =मुर्गा छाप धमाका,
राजकुमार धोरी= चेयरमैन की अभिलाषा
राजेश डावर =स्मार्ट छोरा
गुंजन सुखीजा= भावी विधायक
सुरेश खुराना =यारों की यारी
कपिल गंडा= हम तो साथ हैं
जय किशन मुरादिया अभी तो मैं जवान हूं
सतीश घीक= अध्यक्ष मैं ही रहूंगा,
विनोद.भुसरी= समाज सेवा ही हमारा धर्म है
गुलाम गौस =करो भला लोग कहे बुरा
अनिल भुसरी = फिर से अध्यक्ष
मुनि भुसरी= चमकता सितारा
सलविंदर सिंह कलसी= हम होंगे कामयाब
नरेंद्र ग्रोवर= चुटकुला सुनाऊं
अभिषेक गुंबर= जो है सही है राधे-राधे
रोहित सुदामा =बालकृष्ण,
आरपी सिंह= बहुत अनुभव है
कृष्ण लाल सुधा= मिलकर चलो,
विजय सुखीजा= सेवा परम धर्म
हरीश डंपी= पड़ी लकड़ी
प्रमोद बजाज =अध्यक्ष मत कहो यार,
नीटू अहूजा =हम तो प्रवक्ता हैं
लवली हुड़िया =दबंग युवा नेता
राजेंद्र सुखीजा= राधा स्वामी जी

मंत्री पद ना मिलने से विधायक पांडेय ने ले लिया बड़ा फैसला

भाजपा में घुट रहा था दम थामा कांग्रेस का हाथ,भाजपा की गुटबाजी ने खोया सच्चा सिपाही

गदरपुर(होली ब्यूरो)। गरीबो के मसीहा कहलाने वाले और क्षेत्र के सबसे ज्यादा लोकप्रिय विधायक अरविंद पांडे ने भाजपा को बड़ा झटका दिया है और पूर्व राजस्व मंत्री व नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के नेतृत्व में कॉंग्रेस का हाथ थामने का फैसला लिया है।ऐसे में जहां एक ओर भाजपा के दूसरे गुट में खुशियां मनाई जा रही है वही पांडेय के इस कदम से मुख्यमंत्री धामी की कुर्सी भी हिलती नजर आ रही है। इतना ही नही संघ में भी पांडेय के भाजपा छोड़ने की बात आग की तरह फैल गई है और देश के प्रधानमंत्री मोदी के आदेश पर महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल को अरविंद पांडेय को

मनाने के लिए उधम सिंह नगर के दौरे पर भेजा गया है। वही कांग्रेस के विधायक यशपाल आर्य का कहना है कि नैनीताल लोक सभा सीट के कांग्रेस के दावेदार अरविंद पांडेय होंगे,क्योंकि अरविंद पांडेय जनता के हर सुख दुख के साथी है। वही अरविंद पांडेय के इस फैसले से अनुमान लगाया जा रहा है कि धामी मुख्यमंत्री के पद पर बैठकर अपनी मनमानी करने पर लगे हुए है और उधमसिंहनगर में अपने पसंदीदा कार्यकर्ताओं को जिलाध्यक्ष से लेकर मंत्री मण्डल में जोड़ रहे है।जिसे अब अरविंद पांडे सहन नही कर पा रहे। कुछ लोगो का कहना तो यह है कि इस बार भाजपा मंडल से लेकर मंत्री मण्डल तक वो लोग सत्ता में बैठ रहे है जिन्होंने हमेशा कांग्रेस को चुनाव लड़वाने का काम किया है ऐसे में ये भी कहा जा सकता है कि मंत्री पद ना मिलने से नाराज पांडेय कांग्रेस में जा रहे है। उनके कांग्रेस में जाते ही धामी का मुख्यमंत्री पद जाना भी तय होता नजर आ रहा है।

चेयरमैन दर्शन कोली लाखों के घोटाले के आरोप में फंसे

निर्माण कार्यों व भुगतान में हेराफेरी का खुलासा

किच्छा (होली संवाददाता)। नगरपालिका के चेयरमैन दर्शन सिंह कोली लाखों के घोटालों के आरोपों के बीच घिर चुके हैं। विरोधियों ने पुख्ता सबूतों के साथ उन पर नगर में हुए तमाम विकास कार्यों व ठेकेदारों को किए गए भुगतान में लाखों रुपयों की हेराफेरी करने का आरोप लगाया है। इसके बाद से चेयरमैन खुद को आरोपों से बचाने के लिए इधर उधर भाग रहे हैं। साथ ही वह विरोधियों से भी संपर्क साधने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि नगर के कई वार्डों में बिल्कुल सही हालत में मौजूद सड़कों को उधेड़कर वहां पर नई सड़कें बना दी गई थी जबकि जो सड़कें जर्जर हालत में हैं उन्हें छुआ भी नहीं

गया। बस यह बात विरोधियों को नागवार गुजरी। उन्होंने सभी मार्ग निर्माणों व इसमें संबंधित ठेकेदारों को किए गए भुगतान की कुंडली खंगालनी शुरू कर दी। जब विरोधियों के हाथ सभी सबूत आ गए तो उन्होंने चेयरमैन पर लाखों रुपए का घोटाला करने का आरोप लगाते हुए तत्काल त्यागपत्र देने की मांग शुरू कर दी। साथ ही जनता को साथ लेकर पालिका कार्यालय में बेमियादी धरना प्रदर्शन प्रारंभ कर दिया। विरोधियों के अचानक इस हमले से चेयरमैन के पैरों आई जमीन खिसक गई। वह अपनी कुर्सी बचाने के लिए न सिर्फ अपने राजनीतिक आकाओं की चौखट पर दस्तक देने लगे बल्कि विरोधियों से संपर्क करने की कोशिश में भी लग गए। सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि चेयरमैन को अभी तक कहीं से भी सफलता मिलती नहीं दिखाई दे रही है। भाजपा नेताओं ने उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भ्रष्टाचार मुक्त देश के नारे की याद दिलाते हुए पद से त्यागपत्र देकर आरोपों का सामना करने की सलाह दी है। चेयरमैन के समर्थक इसके पीछे राजनैतिक षडयंत्र बता रहे हैं।

पालिकाध्यक्ष बनने की तैयारी में जुटे विनोद भुसरी

गदरपुर। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व अनाज मंडी अध्यक्ष विनोद भुसरी ने नगर पालिका चुनाव में अध्यक्ष पद की दावेदारी की ताल ठोक दी है जिसके चलते राइसमिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं विनोद भुसरी के छोटे भाई अनिल भुसरी भी अपने दायित्व के भार को एक तरफ रखकर बड़े भाई के लिए मैदान में उतर चुके है ऐसे में लगातार बढ़ते जनसम्पर्क से कही ना कही विनोद भुसरी जनता के बीच मजबूत दावेदार माने जा रहे है और जनता के बीच भी हर्ष की लहर है।विनोद भुसरी की दावेदारी ओर जनता के बीच उनकी चर्चाओं ने वर्तमान पालिकाध्यक्ष की नींद उड़ा दी है।वही विनोद भुसरी का कहना है गदरपुर मेरा परिवार है ओर गदरपुर परिवार जब मेरे साथ है तो डरने की क्या बात है।ऐसे में विनोद भुसरी की जीत साफ साफ नजर आ रही है।अब देखना है कि विनोद भुसरी कांग्रेस से सामने आएंगे या भाजपा से।लेकिन हर व्यक्ति को अब चुनाव का इंतजार है।

साथी को छुड़ाने के लिए नशेड़ियों का रम्पुरा चौकी पर धावा

पुलिसकर्मियों पर तमंचों से फायर कर किया पथराव, कई घायल

रूद्रपुर (होली ब्यूरो)। डीजीपी के निर्देश पर सम्पूर्ण प्रदेश में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गत रात्रि रम्पुरा पुलिस चौकी टीम द्वारा भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ पकड़े गए आधा दर्जन नशा तस्करो को पुलिस की गिरफ्त से छुड़ाने के लिए क्षेत्र के दर्जनों नशेड़ी युवक एकजुट होकर अवैध हथियारों को लेकर रम्पुरा चौकी आ धमके और उन्होंने आते ही न सिर्फ चौकी पर पथराव शुरू कर दिया बल्कि अवैध तमंचों से कई फायर भी किए। अचानक हुए इस हमले से चौकी परिसर में मौजूद पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया और वह अपनी जान बचाने के लिए इधर उधर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। मामले की जानकारी तत्काल पुलिस अधिकारियों को भी दे दी गई। करीब पन्द्रह मिनट हुए इस हमले के दौरान हमलावर नशेड़ी अपने सभी साथियों को माल सहित छुड़ा ले जाने में कामयाब हो गए हैं। गमले में कई पुलिस कर्मी चोटिल भी हो गए। इधर घटना की जानकारी मिलते ही एसएसपी की अगुवाई में तमाम पुलिस अधिकारी व भारी संख्या में पुलिसबल मौके पर आ पहुंचा। लेकिन तब हमलावर अपने। साथियों को छुड़ाकर फरार हो चुके थे। एसएसपी ने मौजूद पुलिस कर्मियों से पूरे घटनाक्रम की विस्तार। से जानकारी ली और घायल पुलिसकर्मियों को उपचार के लिए जिला हॉस्पिटल भिजवाया। पुलिस ने पकड़े गए नशा तस्करों सहित चौकी पर हमला करने वालों को दबोचने के लिए पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर घर घर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

पुलिस चौकी पर नशेड़ियों द्वारा फायरिंग व पथराव कर अपने साथियों को छुड़ा ले जाने की घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस के आलाधिकारी भी यहां पहुंच गए हैं और वह अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं। बताया जाता है रम्पुरा चौकी पुलिस द्वारा उच्चाधिकारियों के निर्देश पर क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत गत दिवस पुलिस ने अलग अलग स्थानों पर औचक छापेमारी कर आध ा दर्जन लोगों को भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ पकड़ लिया। सभी को रम्पुरा चौकी लाकर उनसे पूछताछ की। इसके बाद सभी को एक कमरे में बंदकर पुलिसकर्मी कागजी करवाई के काम में लग गए।इधर क्षेत्र के नशेड़ियों को जब यह पता चला कि पुलिस उनके बड़े साथियों को माल सहित पकड़कर चौकी ले गई है तो भारी संख्या में नशेड़ी एकत्रित हो गए। जिनमें कई अवैध तमंचे लिए हुए थे। उन्हें यह भय था कि कहीं उनके नाम सामने न आ जाए। इसलिए सभी ने अपने साथियों को पुलिस की गिरफ्त से छुड़ाने का निर्णय लिया और अलग अलग ग्रुपों में चौकी आ धमके। इससे पहले कि वहां मौजूद पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते आए नशेड़ियों ने चौकी पर फायरिंग और पथराव शुरू कर दिया। जिसे देख पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। वह जान बचने का लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। इसी दौरान हमलावर नशेड़ियों ने चौकी में बंद अपने सभी साथियों को छुड़ा लिया और भाग खड़े हुए। इधर सूत्रों से पता चला है कि पुलिस ने गिरफ्तार किए तीन नशा तस्करों सहित चौकी पर हमला करने वाले करीब आधा दर्जन नशेड़ियों को गिरफ्त में ले लिया है और उनसे पुलिसिया अंदाज में उनके फरार साथियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। शीघ्र ही पुलिस उनसे पूछताछ पूर्ण कर फरार तस्करों को दबोच लेगी।

सदभावना मैच में पुलिस ने चापलूस टीम को हराया

मेयर ने लॉलीपॉप देकर किया सम्मानित

रूद्रपुर (होली ब्यूरो) होली के मौके पर जनपद पुलिस तथा जिला मुख्यालय के पुलिस चापलूसों के मध्य सदभावना क्रिकेट मैच आयोजित किया गया। जिसमें पुलिस टीम ने एक तरफा जीत हासिल करते हुए होली के स्पेशल पुरस्कारों पर कब्जा कर चापलूस टीम को मन मसोड़ने पर मजबूर कर दिया। पुलिस लाईन मैदान में खेले गए इस मैच का उदघाटन करने स्वयं मुख्यमंत्री को आना था। परंतु अचानक दिल्ली से बुलावा आ जाने से उन्हें जाना पड़ गया। उनके प्रतिनिधि के रूप में मेयर ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद टॉस उछाल कर व पिच पर एक बॉल खेलकर किया। इस मौके पर उन्होंने दोनों टीमों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जहां पुलिसकर्मी समाज में अपने दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन करते हैं तो वहीं चापलूस भी

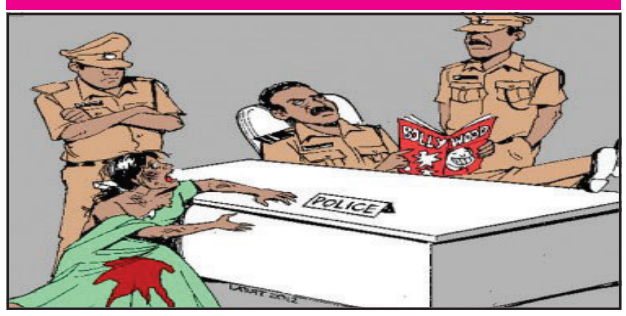

अपना स्वार्थ पूरा करने के लिए किसी भी हद तक चापलूसी करने से नहीं चूकते। यह भी एक कला है जो सबके पास नहीं होती है। उन्होंने कहा पुलिस उस दिन को अधूरा समझते हैं जब तक खास चापलूसों से उनकी मुलाकात नहीं हो जाती। मेयर ने कहा कि वह यह बात अपनी मर्जी से नहीं बल्कि जन चर्चाओं के अनुसार कह रहे हैं। टॉस पुलिस टीम के कप्तान ने जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। कप्तान की शतकीय पारी की बदौलत पुलिस टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में बिना विकेट गंवाए 210 रन बनाए। इस दौरान दर्शक दीर्घा में बैठे चापलूसों की भीड़ ने अपने ही खिलाड़ियों पर जमकर छींटाकसी की। जवाब में उतरी चापलूसों की टीम के खिलाड़ी पिच पर टिक नहीं सके और पूरी टीम महज 20 रनों पर ही सिमट गई। टीम के सात सबसे बड़े चापलूस खिलाड़ी ए, सी, डी, एच, एल, एम व पी बिना कोई रन बनाए जीरो पर आउट हो गए। जबकि आर ने दो, एस ने तीन, वी ने पांच तथा बी, जी,के ने एक एक रन का योगदान किया। शेष रन अतिरिक्त के मिले। चापलूसों की टीम की इस शर्मनाक हार के पीछे भी टीम के कुछ खिलाड़ियों की पुलिस अधिकारियों के प्रति चापलुसता ही बताई जा रही है। टीम के कप्तान ने इस हार के खुलासे के लिए अपने मुखबिर लगा दिए हैं। मैच की समाप्ति पर पुलिस टीम के सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार स्वरूप होली का विशेष तोहफा दिया गया। जबकि चापलूसों को लॉलीपॉप दिया गया।

थानाध्यक्ष राजेश पांडे का हुआ तबादला,थानाध्यक्ष बने कॉस्टेबल

गदरपुर। थानाध्यक्ष राजेश पांडे के तबादले की खबर आते ही खनन माफियाओं ओर नशा माफियाओं में खुशी की लहर दौड़ गई है।आतिशबाजी व मिष्ठान वितरण कर थानाध्यक्ष राजेश पांडेय के तबादले की खुशियां मनाई जा रही है। हालांकि ऊपर ऊपर से थानाध्यक्ष बहुत ही सख्त नजर आते है लेकिन अपनी मधुर वाणी से लोगो को बेवकूफ बनाने की महारत थानाध्यक्ष की महत्वपूर्ण योग्यता है ।जहां एक ओर नशा विरुद्ध अभियान चलाकर कई बार नशे वालो को पकड़ा गया है लेकिन क्षेत्र में नशा पहले से बड़ा है घटा नही ओर नशा बेचने वालों में भी बढ़ोतरी हुई है।सूत्रों की माने तो थानाध्यक्ष राजेश पांडेय की क्षेत्र के कई दिग्गज नेताओं के साथ अच्छा उठना बैठना है जिसके चलते खनन माफियाओं की गाड़ियां थानाध्यक्ष को दिखाई नही देती ओर थानाध्यक्ष भी सीना चौड़ा करके कहते है मेरी पहुच ऊपर तक है। ऐसे में थाना गदरपुर अब माफियाओं का अड्डा बन चुका है और पिकनिक स्पॉट की तरह हर कोई अपने टाइमपास के लिए यहां आते जाते रहते है।जिसके चलते पुलिस के आला अधिकारियों ने थानाध्यक्ष का तबादला अब किसी थाने में नही बल्कि ट्रैफिक पुलिस के कॉस्टेबल के रूप में कर दिया है।

धीरेश गुप्ता को उत्तरी मंडल अध्यक्ष पद से हटाया

रूद्रपुर (होली ब्यूरो)। निगम के नामित पार्षद ट्रांजिट कैंप निवासी धीरेश गुप्ता के सर पर सजा भाजपा उत्तरी मंडल अध्यक्ष पद का ताज चंद दिनों में ही छीन लिया गया। अब पार्टी द्वारा अध्यक्ष पद पर राजेश जग्गा को बनाने की घोषणा की गई है। पार्टी के अचानक हुए इस निर्णय से संगठन में खलबली मच गई है। एक ओर जहां राजेश को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है तो वहीं दूसरी ओर धीरेश गुप्ता व उनके समर्थकों को भारी धक्का लगा है। उन्होंने पार्टी के इस निर्णय को स्वीकार करते हुए संगठन के प्रति खुद को समर्पित रहने की बात तो कही है परंतु भीतर खाने पटरी के खिलाफ मोर्चा भी खोल दिया है। गत माह ही धीरेश को उत्तरी मंडल अध्यक्ष मनोनित किया गया था। जिसके बाद से उनके विरोधी निरंतर पार्टी नेताओं को उनकी पार्टी विरोधी कार्यों की विस्तार से जानकारी दे रहे थे। एक विशेष गुट का साथ देकर उन्होंने ट्रांजिट कैंप में कई पार्टी पार्षद प्रत्याशियों को हराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। संगठन में गुटबाजी को हमेशा हवा देते रहे। आर्थिक रूप से सक्षम न होने से उनके समक्ष अपने दायित्व का निर्वहन करना भी मुश्किल हो रहा था। इन सब बातों पर विचार विमर्श के बाद पार्टी नेताओं ने उन्हें पद मुक्त करना पड़ा। वही नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष राजेश जग्गा ने बताया कि धीरेश को पुन: महामंत्री पद की जिम्मेवारी दी जायेगी।

चौकी प्रभारी नीमा ने लावारिस मासूम पर ममता लुटाई

रूद्रपुर (होली ब्यूरो)। आज प्रात: आवास विकास क्षेत्र में रिंग रोड पर करीब दो वर्ष की मासूम कन्या लावारिस अवस्था में घूमती दिखाई देने पर चौकी प्रभारी उप निरीक्षक नीमा बोहरा ने उसे अपने संरक्षण में लेकर उस पर जी भर के ममता लुटाई और उसके परिजनों का पता लगाकर उपहार सहित उसे उसके परिजनों के सुपुर्द किया। जानकारी के अनुसार चौकी प्रभारी उप निरीक्षक नीमा बोहरा आज प्रात: आवास विकास क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान रिंग रोड़ पर गुरुद्वारे के समीप करीब दो वर्ष की कन्या लावारिस हालत में घूमते दिखाई दी। नीमा ने उसके पास जाकर उसके माता पिता के बारे में पूछा तो वह कुछ स्पष्ट जवाब नहीं दे रही थी। जिसके पश्चात चौकी प्रभारी नीमा ने आस पड़ोस में रहने वाले लोगों से कन्या के बारे में जानकारी ली लेकिन कोई भी व्यक्ति उसे पहचान नहीं पाया। करीब दो घंटे तक चौकी प्रभारी मिली कन्या को साथ लेकर आवास विकास व जगतपुरा क्षेत्र में घूमी परंतु कन्या के परिजनों का पता नहीं चल पाया। जिसके पश्चात वह मासूम प्यारी दिखने वाली कन्या को अपने साथ चौकी ले आई और उसे खूब प्यार कर उसके लिए फल, जूस, खिलौने, बिस्कुट, दूध आदि खानेपीने का सामान मंगवाकर खिलाया। चौकी प्रभारी नीमा बोहरा के साथ खेलते जब कन्या सो गई तो नीमा ने फिर से उसके परिजनों की खोजबीन शुरू कर दी। दोपहर बाद एक महिला रोते बिलखते चौकी पहुंची और उसने अपनी बच्ची के गुम हो जाने की

जानकारी पुलिस को दी। जब चौकी प्रभारी नीमा ने अपने पास मौजूद कन्या को उसे दिखाया तो वह उससे लिपट गई तथा उसकी आंखों से खुशी के आंसुओ की धारा फूट पड़ी। बच्ची ने भी अपनी मां को पहचान लिया। महिला ने बताया कि वह मूलरूप से हल्द्वानी की निवासी है यहां गुरुद्वारे में दो कारों में परिवार के साथ माथा टेकने आई थी। जहां बच्ची खेलते हुए बाहर आ गई। वापसी पर उसने यह सोचा कि दूसरी कार में उसकी बच्ची सवार होकर घर चली गई है। हल्द्वानी पहुंचने पर पता चला कि बच्ची रूद्रपुर में ही रह गई है। महिला ने चौकी प्रभारी नीमा सहित सारे स्टॉफ का आभार व्यक्त किया। नीमा ने आवश्यक कार्रवाई पूरी कर बच्ची को उसकी मां के सुपुर्द कर उसे कई उपहार देकर विदा किया।

होली पर शराब की दुकानों के खोलने तथा बंद करने के समय की बाध्यता समाप्त

भाजपा ने मदिरा प्रेमियों को दिया तोहफा

रूद्रपुर (होली ब्यूरो)। जब से भाजपा ने प्रदेश सरकार की बागडोर संभाली है समाज के हर वर्ग को किसी न किसी रूप में संतुष्ट करती रही है। इस बार सरकार ने एक नया ऐतिहासिक फैसला लेते हुए होली पर्व पर मदिरा प्रेमियों को खास तोहफा दिया है। सूत्रों से मिली फर्जी जानकारी के अनुसार इस वर्ष होली पर्व पर अंग्रेजी तथा देशी शराब की दुकानों में बंदी का आदेश लागू नहीं होगा। यानि कि शराब की दुकानें रोज की तरह ही खुलेगी। इतना ही नहीं सात व आठ मार्च को शराब की दुकानों के खोलने तथा बंद करने के समय की बाध्यता को भी समाप्त कर दिया गया है। मदिरा प्रेमी दिन रात जब चाहें जितनी मात्रा में शराब खरीद सकते हैं। मदिरा प्रेमियों को खुश करने के लिए सरकार ने अतिरिक्त काउंटर लगाने की

भी घोषणा की ही जिसका संचालन संबंधित क्षेत्र का अनुज्ञापी ही कर सकेगा। सरकार की इस घोषणा का प्रदेश के सभी मदिरा प्रेमियों व शराब विक्रेताओ ने स्वागत करते हुए कहा कि देवभूमि के इतिहास में यह पहला अवसर है कोई सरकार मदिरा प्रेमियों व शराब विक्रेताओं पर इतनी मेहरबान हुई है। इसका लाभ सरकार को आगामी हर चुनाव में मिलेगा। इधर शराब विक्रेताओं ने भी शराब के मूल्यों में छूट देने की घोषणा की है। जिसमे क्वार्टर पर पचास रुपए, हाफ पर एक सौ रुपए तथा बोतल पर दो सौ रूपये की छूट रहेगी। जो नौ मार्च सायं पांच बजे तक ही मान्य होगी। सरकार के इस आदेश से जहां मदिरा प्रेमियों व शराब विक्रेताओं में खुशी की लहर है तो मातृ शक्ति इसके विरोध में खड़ी होती नजर आ रही है।

परिमल होंगे कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी बंगाली वोटों को साधने की कोशिश

रूद्रपुर (होली ब्यूरो)। कुछ ही माह पश्चात होने वाले नगर निगम चुनाव को लेकर सभी राजनैतिक दलों के साथ साथ निर्दलीय लड़ने की इच्छा रखने वाले लोगों द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। राजनैतिक दलों के नेता गत वर्ष हुए विधानसभा चुनाव परिणाम को सामने रखकर प्रत्याशियों के समीकरण बना रहे हैं। हालांकि निकाय चुनाव को लेकर राजनैतिक दल सीटों के आरक्षण पर भी टकटकी लगाए हुए हैं। खैर जो भी हो कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इस बार यहां नगर निगम मेयर के चुनाव को लेकर काफी गंभीर दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि विधानसभा चुनाव में पार्टी का मजबूत किला माना जाने वाला बंगाली समाज बाहुल्य क्षेत्र ट्रांजिट कैंप ताश के पत्तों की तरह बिखर गया था। जिसका एक कारण पार्टी द्वारा प्रत्याशी चयन में हमेशा इस समाज की उपेक्षा करना

माना जा रहा था। लेकिन अब लगता है पार्टी नेताओं ने पुरानी भूल को सुधारते हुए मेयर चुनाव में बंगाली समाज के वरिष्ठ पार्टी नेता को अपना प्रत्याशी बनाने का मन बना लिया है। सूत्रों के अनुसार इस बार मेयर के प्रत्याशी के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच सर्वसम्मति से से यह सहमति बनी है कि वरिष्ठ पार्टी एवं बंगाली समाज के नेता परिमल रॉय को मेयर का पार्टी प्रत्याशी बनाया जायेगा। इसके लिए पार्टी नेताओं ने परिमल से वार्ता कर उनकी सहमति भी ले ली है। इसकी जानकारी मिलते ही बंगाली समाज में खुशी का माहौल बना हुआ है तथा सभी दलगत भावना से ऊपर उठकर परिमल के पक्ष में एकजुट हो रहे हैं।

SINDHI
HIRO

zomato

व्यापार मंडल अध्यक्ष और महामंत्री की दुकानों पर आयकर विभाग का छापा

विरोध में व्यापारियों ने किया बाजार बंद, प्रदर्शन कर फूंके पुतले, बाजार में भारी पुलिस बल तैनात

रूद्रपुर (होली ब्यूरो)। गोपनीय सूचना पर आज प्रात: आयकर विभाग की दो अलग अलग टीमों ने पुलिस बल के साथ व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा तथा महामंत्री हरीश अरोरा के प्रतिष्ठानों पर औचक छापामारी की। आयकर अधिकारियों ने दोनों व्यापारी नेताओं को उनके प्रतिष्ठानों पर बुलाकर बैठा लिया और उनके मोबाइल कब्जे में ले लिए। इधर व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा तथा महामंत्री हरीश अरोरा के प्रतिष्ठानों पर आयकर विभाग द्वारा छापेमारी किए जाने की जानकारी मिलते ही नगर के व्यापारियों में रोष भड़क उठा। देखते ही देखते बाटा चौक पर हजारों व्यापारी एकत्रित हो गए और वह दो ग्रुपों में बंटकर आयकर विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सुभाष कालोनी स्थित हरीश अरोरा के प्रतिष्ठान तथा काशीपुर बाईपास मार्ग पर होटल रुद्रा के साथ गली में स्थित संजय जुनेजा के प्रतिष्ठान की ओर बढ़ने लगे। इसकी भनक लगते ही पुलिस प्रशासन भी हरकत में आ गया। तत्काल भारी संख्या में पुलिस फोर्स दोनों प्रतिष्ठानों पर आ पहुंची और व्यापारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए मोर्चा संभाल लिया। दोनों ही स्थानों पर रोषित व्यापारियों की पुलिस से कई बार तीखी नोंक झोंक व धक्का मुक्की भी हुई। पुलिस अधिकारियों द्वारा सरकारी कार्य बाधा न डालने के लिए व्यापारियों से कई बार अनुरोध किया गया। साथ ही वीडियो ग्राफी भी की। परंतु जब व्यापारियों ने नारेबाजी करते हुए वहां से हटने से साफ मना कर दिया तो पुलिस कर्मियों ने जमीन पर लाठियां फटकार कर व्यापारियों को दूर तक खदेड़ दिया। इससे व्यापारियों में रोष और बढ़ गया। जिसके बाद नगर का सारा बाजार पूर्ण रूप से बंद कर व्यापारियों ने आयकर विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए अलग अलग जुलूस निकाले और भगत सिंह चौक, डी डी चौक, इंद्रा चौक, बाटा चौक, अग्रसेन चौक, मुखर्जी चौक, शिवनगर तिराहा, तीनपानी तिराहा, गल्ला मंडी, आवास विकास सहित कई स्थानों पर विभाग के पुतलों को आग के हवाले किया। रोषित व्यापारियों का कहना था कि व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा व महामंत्री न सिर्फ स्वयं विभागीय नियमों का पूरा पालन करते हैं साथ ही सभी व्यापारियों को भी समय से सभी विभागीय कर जमा करने के लिए प्रेरित करते रहे हैं। ऐसे में आयकर विभाग द्वारा की गई छापेमारी की कार्रवाई के पीछे निश्चित रूप से कोई षड्यंत्र रचा गया है। जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि जब तक आयकर विभाग की टीम वापस नहीं लौटेगी बाजार पूरी तरह से बंद रहेगा। इसके पश्चात व्यापार मंडल अध्यक्ष तथा महामंत्री के निर्देशों के अनुसार आंदोलन की रुपरेखा तय की जायेगी। छापामारी की कार्रवाई दोनों ही प्रतिष्ठानों पर सायंकाल तक जारी थी। नगर में तनाव की स्थिति को देखते हुए आस पास क्षेत्रों के पुलिसबल को भी बुलाकर नगर के संवेदनशील स्थानों पर तैनात कर दिया गया है।वहीं जनपद उधम सिंह नगर के साथ ही जनपद नैनीताल, चंपावत, अल्मोड़ा आदि क्षेत्रों के व्यापारी नेता भी यहां पहुंच चुके हैं। साथ ही पुलिस अधिकारियों के व्यापारी नेताओं के साथ वार्ताओ के दौर भी चल रहे हैं। अधिकारियों का साफ कहना है कि किसी भी दशा में कानून व्यवस्था पर आंच नहीं आने दी जाएगी। इधर सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि व्यापार मंडल के दोनों पदाधिकारी आयकर टीम से सहयोग कर रहे हैं और शीघ्र ही टीम वापस लौटने वाली है।

विकास शर्मा के ठिकानों पर इनकम टैक्स की छापेमारी

रूद्रपुर(होली ब्यूरो)।। भाजपा के प्रदेश मत्री एवं सीएम के खासमखास विकास शर्मा के घर और प्रतिष्ठानों पर इनकम टैक्स के छापे पड़े हैं। बताया जाता है कि एक साथ हुई इस छापेमारी में विकास शर्मा के ठिकानों से 25 करोड़ से अधिक की रकम बरामद हुयी है। जानकारी के मुताबिक भाजपा नेता विकास शर्मा के फुलसुंगी स्थित निवास के साथ ही उनके ओमेक्स, सिडकुल,सितारगंज स्थित कई प्रतिष्ठानों पर आज तड़के ताबड़तोड़ छापेमारी हुयी। दरअसल शर्मा के कुछ विरोधियों ने इनकम टैक्स से गोपनीय शिकायत की थी कि पुष्कर सिंह धामी के सीएम बनने के बाद विकास शर्मा ने अरबों रूपये एकत्र कर लिये हैं और वह इस पैसे को अब स्विस बैंकों में ठिकाने लगाने की तैयारी कर रहे हैं। इस शिकायत पर इनकम टैक्स की कई टीमों ने आज विकास शर्मा के घर एवं प्रतिष्ठानों में एक साथ छापेमारी की। बताया जाता है कि सिडकुल की तीन कंपनियों में विकास शर्मा की पार्टनरशिप चल रही है। इसके साथ ही ओमेक्स में भी उनके प्रतिष्ठान है। इसके साथ ही फुलसुंगा में भी उन्होंने ई रिक्शा बनाने और बैट्री बनाने की दो फैक्ट्रियां लगा रखी है। इसके अलावा कई बिल्डरों के साथ भी उन्होंने मोटा इन्वेस्ट किया है। इन सभी जगहों पर इनकम टैक्स की टीमों ने छापेमारी की और दस्तावेज खंगाले। बताया जाता है कि टीमों ने विकास शर्मा के ठिकानों से 25 करोड़ से अधिक की करेंसी बरामद की हैं। कुछ ठिकानों पर भी नोटों की गिनती का काम जारी था। जहां जहां भी छापेमारी हुयी है वहां पर किसी को अंदर आने की इजाजत नहीं दी गयी। इधर इस बारे में जब विकास शर्मा से जानकारी लेने के लिए उनको फोन किया गया तो सौ बार फोन करने के बाद भी उन्होंने फोन नहीं उठाया।

होली का त्यौहार: महंगाई की मार में फीकी पड़ी रंगों की चमक

होली भारतीय संस्कृति की महानतम प्रतीक है। प्राचीन सभ्यता के साथ इसका चोली दामन का साथ है। रंगों के मस्ती भरे इस पर्व से हर प्राणी का हृदय उल्लसित और स्फूरित हो उठता है। यह त्यौहार आता है फागुन माह में और फागुन है फूलों का फलों का ए रंग रंग के फूल हैं गुलाब है चमेली है चंपा है व अन्यान्य फूलों के सुगंधित वातावरण से मन और उल्लसित और प्रफुल्लित हो उठता है। खेतों में लहलहाते सरसों व उसके तन पर पीले पीले फूलों की सर्वत्र पीली सी छाई हुई चादर मानो धरती पर फैल गई हो। वैसे ही पलाश के केसरिया फूल जंगलों में यत्र तत्र सर्वत्र छाए रहते है। लगता है जैसे जंगल में अंगारों की आग सी लग गई हो। जंगल में भी मंगल इनके रंगों की छटा सी बिखर जाती है धरती पर। इसी समय पेड़ों के पुराने पत्ते झरकर नवांकुरों के नवजीवन का संदेश देते हुए प्रकृति के परिवर्तन के नियम पुन: परंपरा अनुसार दोहराते हुए नजारे प्रस्तुत करते हैं। चारों तरफ फैली हरियाली से लगता है जैसे प्रकृति स्वयं सजीव होकर हमें लुभा रही हो। पुष्पों पर भ्रमर की गुंजनए कोकिला की मीठी कुहू कुहू की कूक मन को सम्मोहित कर देती है। स्वार्गिक वातावरण में मनाए जाने वाली होली हमें अवसर प्रदान करती है गले मिलने की स्नेहा भाव से मिलजुल कर रहने की। पुराने बैर भाव एवं भेदभाव को मिटाने की और यहां तक कि कतिपय संकल्प लेने की भी। कहने को तो होली पर गंदगी साफ की जाती है और कूड़ा करकट इकट्ठा करके जला दिया जाता है। मान्यता यह भी है कि इसी के साथ साथ ईर्ष्याए द्वेषए घृणाए कलहए भेदभाव आदि को भी जला दिया जाता है। तथा लोगों का मन शुद्धए कोमलए निर्मल एवं निर्विकार हो जाता है। यदि सचमुच ऐसा हुआ होता तो इस धरती पर प्रहलाद की सी मानसिकता होती ना कि हिरण्यकश्यप का उत्पीड़नएएआज हम देखते हैं कि अखबारों के पन्ने खून से रंगे होली का क्रंदन करती सुर्खियों को छापने के लिए मजबूर हैं !जिसमें लिखा होता है रंगों के स्थान पर खून की होली खेली गई। लेकिन जिन लोगों पर मानव द्वारा खूनी पिचकारिओं से गर्म रंग डाला गया। वे अपने घर नहीं जा सके। क्योंकि उन्हीं के सुर्ख गुलाल ने उन्हें शांत और ठंडा कर दिया था। मानव की यह दानवीयता हिरण्यकश्यप की याद दिलाती है। वहीं कुछ लोगों की यह भी धारणा होती है कि वह इस दिन पूर्ण रूप से स्वतंत्र हैं। यानी फूहड़ मजाक करनाए कीचड़ फेंकना शराब पीनाए गाली गलोज करनाए अश्लील छींटाकशी के अलावा अश्लील हरकतें कर अपनी असभ्य प्रवृत्ति का प्रदर्शन करनाए अब आम बात हो गई है। हुड़दंग और गुंडागर्दी जैसे माहौल में किसका जी चाहेगा होली खेलने का। यह प्रतिक्रिया प्राय: आम जनों की एवं महिलाओं की रहती है। यही कारण है कि लोग आज होली खेलने से कतराने लगे हैं। छेड़छाड़ व गुंडागर्दी के आतंक के साए में इस पर्व का लुत्फ उठाने का अभाव सा रहता है। कुछ लोग तो होली के उत्सव में भाग न ले कर इस में होने वाले उदंडता मात्र को ही देखकर सहम जाते हैं। ऐसे

सहमें एवं डरे हुए लोगों को जबरदस्ती घर से निकाल कर होली खिलाना कहां तक उचित है। हो सकता है कि वह किसी हुड़दंग के हादसे से गुजर चुके हों। या किसी मानसिक अशांति के कारण ना खेलना चाहते हों। ऐसे में उनके साथ जबरदस्ती करना उत्सव के मजे को किरकिरा ही करता है। यह भी अक्सर देखा गया है कि लोग रंग डालने के अवसर के ताक में रहते हैं कि अमुक व्यक्ति पर रंग डाल कर भाग लिया जाए। ताकि सामने वाला उस पर रंग ना लगा सके। उस समय वे यह भी नहीं देख पाते कि सामने वाला कोई महत्वपूर्ण कार्य निपटा रहा है या होली खेलने की स्थिति या मूड में है कि नहीं। इससे कटुता भी उत्पन्न हो जाती है। होली पर अच्छे रुचि के रंगों का चुनाव भी करना चाहिए। जैसे काले एबैगनीए पक्के रंगों का चुनाव आपकी खराब रूचि का परिचय देते हैं। साथ ही जिस पर वे रंग लगाए जाते हैं वह प्रसन्नता का अनुभव नहीं करते हैं। इससे प्रेम संबंधों में दरार पड़ सकती है। यदि रंग महिला पर लगा रहे हो तो पूरी शालीनता का परिचय देते हुए रंग लगाएं। उचित यही है कि रंग डालिए हंसिए खिलखिलाईए। मस्ती के साथ त्यौहार मनायें और मनाने दें। मानते हैं होली मौज मस्ती और उमंग से भरा त्यौहार है ।लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि हम अपने शिष्टता और संस्कारों को तिलांजलि देकर गाली गलौज या अश्लील गीत गाएं या बेशर्मी भरे हरकतें करें। प्रेम से मिलना और प्रसन्नता के गीत गाना कोई बुराई नहीं। ऐसा गीत गाना जिसे सुनकर लोग आपको अशिष्ट कहें। कहां तक यह उचित है। मुहल्लोंए स्कूलोंए दफ्तरों में इस अवसर पर व्यंगात्मक उपाधि सूची निकालने की भी परंपरा है। इसमें सावधानी यह बरती जानी चाहिए कि हम किसी को ऐसी उपाधि तो नहीं दे रहे हैं। जो उसे मानसिक रूप से पीड़ित कर दें। हंसी मजाक में शुद्धता का बर्ताव पहली शर्त है। तभी हम अपने शिष्ट संस्कारों का निर्वाह करने में सफल होंगे। होली में रंग डालने के समय व स्थान का भी ध्यान रखना चाहिए। सड़क पर या छत पर या कहीं पर होने वाले हुड़दंग किसी भी बड़ी दुर्घटना को जन्म देकर प्रेम भरे परिवेश को विवाद के रूप में बदल देता है। इसलिए होली आमतौर पर घर के आंगन बाहरी बरामद हो एवं चबूतरो पर या अपने आसपास मोहल्ले के लोगों के बीच ही खेलना ज्यादा सुरक्षित और आनंददायक होता है। इस प्रकार होली पर अशिष्टता का नहीं शिष्टता का ध्यान रखा जाना अनिवार्य है। शिष्टता को हम वर्ष भर निभाएं और होली पर भूल जाएं । यह तो कोई बात नहीं हुई । शिष्टाचार की भूमिका होली पर और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। जब आप एक नहीं अनेक व्यक्तियों के संपर्क में आते हैं । तो शिष्टता का ध्यान तो रखना ही पड़ेगा। होली में रंगों के लिए आप हल्के लाल एगुलाबी एपीले एवं नीले रंग का ही प्रयोग करें। गाढ़े रंग जहां फिजूलखर्ची हैं वही आपके और सामने वाले के शरीर के लिए हानिकारक भी हो सकते हैं। रंग वह हो जो आसानी से शरीर और कपड़ों में से उतर जाए। वह रंग किस काम का जो आजकल के महंगे कपड़ों से उतरते ही नहीं हो या शरीर के चमड़ी तक को साथ में उतार लें। या कट फट जाएंघ् इसलिए रंगों के चुनाव में भी शालीनता बरतीये। होली का समय भी निश्चित होना चाहिए ! सुबह से शाम तक रंग का पानी शरीर पर पडते रहे तो या भीगे रहने से व्यक्ति के बीमार होने की पूरी गुंजाइश बनी रहती है। अत: जरूरी है कि इस बदलते मौसम में हम रंगों की तासीर के मुताबिक घंटे दो घंटे तक ही सीमित समय में रहकर होली खेलें। इससे समय के बचत के साथ दैनिक कार्यक्रमों को यथा समय पर पूरा कर पाएंगे । वहीं ठंडी जुकाम खांसी बुखार जैसी बीमारियों से भी बच सकेंगे। सारा दिन रंग लिए घूमना जहां बेवकूफी व अशिष्टता है वहीं रोगों के लिए भी खुला आमंत्रण है । इसी तरह होली का आनंद लेने का यह कोई ढ़ंग नहीं है कि आप अपने से बड़ी उम्र के व्यक्ति पर रंग डालें। हो सकता है वह आपको कोई ऐसे जवाब दे दें जो आपकी शिष्टता के लिए चुनौती बन जाए । इसलिए अच्छा यही है कि रंग हम उन्हीं पर ही डालें जो हमारे समकक्ष और परीचित हों। कई बार हम बच्चों को उकसा कर हम किसी वृद्ध पर रंग डलवा कर हंसते हैं । यह कोई शालीन कार्य नहीं है। होली पर हमें अपनी गरिमा व मर्यादा को स्मरण रखकर ही रंगों की बरसात करनी चाहिए। रंगों की मार से झुंझला कर सामने वाले व्यक्ति के कपड़े फाड़ें या उसे काटें नोंचे। यह भी अशिष्टता है । आप भी उसे रंग लगाइए झुंझलाएं नहीं।ऐसे समय में शिष्टता की छाप आपके सदव्यवहार को सर्वत्र लोकप्रिय और चर्चा का विषय बना देगी। जिससे परोक्ष रूप से आपके अनेक लाभ होंगे। लोग आपके बारे में अनर्गल बातें नहीं करेंगे तथा पूरा सम्मान देंगे। आपके व्यवहार की गरिमा मर्यादा शिष्टता शालीनता और सुसंस्कृत व्यवहार होली पर आपके संपूर्ण व्यक्तित्व का सही आकलन करते हैं। इसके लिए आवश्यक है कि हम इन्हें ना भूलें। वैसे भी अब तो महंगाई की मार ने रंगों की चटखती रंगत और चमक को कम कर रखा है। **-सुरेश**

पत्रकारिता से अशोक गुलाटी का हुआ मोह भंग, लिया सन्यास

पायलट बाबा आश्रम में बाबा बनकर बितायेंगे जीवन

रूद्रपुर(होली ब्यूरो)।पिछले लम्बे समय से कई बार पत्रकारिता से सन्यास लेने की हवाई घोषणा कर चुके देवभूमि पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार अशोक गुलाटी ने आखिरकार पत्रकारिता से सन्यास ले लिया है। अब वह बाकी का जीवन बाबा बनकर बितायेंगे। बता दें अशोक गुलाटी पिछले तीन दशक से पत्रकारिता कर रहे हैं। कई नामी दैनिक अखवारों में पत्रकारिता कर चुके अशोक गुलाटी पिछले करीब एक दशक से खुद का समाचार पत्र और पोर्टल चला रहे हैं। कुमांऊ में उन्होंने अपनी पत्रकारिता से अलग पहचान बनायी है। साथ ही पत्रकारों के लिए उन्होंने समय समय पर संघर्ष भी किया है। इसी को देखते हुए कुछ माह पहले ही उन्हें देवभूमि पत्रकार यूनियन के कुमांऊ प्रभारी और उधम सिंह नगर जिलाध्यक्ष पद की कमान सौंपी गयी थी। कोविड के बाद पत्रकारों की दयनीय हालत और वर्तमान में पत्रकारिता के गिरते स्तर को लेकर गुलाटी कई बार व्यथित होकर अपनी पीड़ा सोशल मीडिया के माध्यम से बयां कर चुके थे। उन्होंने कई बार पत्रकारिता से सन्यास लेने की बात कही थी लेकिन वह हवाई साबित हुयी। अब उन्होंने आखिरकार होली से पहले पत्रकारिता से सन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने यह घोषणा गेठिया स्थित पायलट बाबा आश्रम में जाकर की। उन्होंने कहा कि बाकी का अधिकांश जीवन अब वह यहीं पर बाबा बनकर व्यतीत करेंगे। गुलाटी ने कहा कि उन्होंने यह निर्णय अपने करीबी रह चुके महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की प्रेरणा से लिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भगतदा ने अध्ययन और साधना करने का फैसला किया है इसी तरह वह भी अपना आगे का जीवन अध्ययन और प्रभु की भक्ति में लीन होकर बिताना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भक्ति से कुछ समय मिल पाया तो वह अपने जीवन पर एक किताब लिखेंगे। इस किताब में विज्ञापन बुकिंग के लिए उनसे पायलट बाबा आश्रम पहुंचकर संपर्क किया जा सकता है।

सुशील गावा के बाद मीना शर्मा भी भाजपा में शामिल

रूद्रपुर(होली ब्यूरो)। देश कांग्रेस मुक्त हो न हो लेकिन रूद्रपुर कांग्रेस मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्तमान हालातों से तो यही लगता है। हाल ही में कांग्रेस के तेजतर्रार नेता सुशील गावा के कांग्रेस छोड़ने के बाद अब कांग्रेस छोड़ने का सिलसिला रूक नहीं रहा है। गावा के बाद अब विधानसभा चुनाव लड़ चुकी मीना शर्मा ने भी भाजपा का दामन थाम लिया है। मीना शर्मा ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट के समक्ष भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। बता दें मीना शर्मा विधानसभा चुनाव से पहले ही भाजपा में आने के लिए भाजपा नेताओं के संपर्क में थी। इसके लिए उनकी वरिष्ठ नेताओं से कई बार मीटिंग भी हुयी थी। दरअसल तब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने मीना शर्मा को यह आश्वासन दिया था कि रूद्रपुर सीट को महिला आरक्षित कराया जायेगा। महिला सीट होने पर भाजपा से टिकट मिलने की शर्त पर मीना शर्मा उसी दौरान भाजपा में आने के लिए तैयार थी। लेकिन मदन कौशिक का आश्वासन महज लॉलीपाप निकला। जिसके चलते मीना शर्मा तब भाजपा में शामिल नहीं हुयी। अब मीना शर्मा मेयर की सीट को सामान्य महिला के लिए आरक्षित किये जाने की आस में थी। लेकिन उनकी यह आस भी अधूरी रह गयी। भाजपा ने मेयर की सीट को पुनः अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित करने का मन बना लिया है। दूसरी तरफ कांग्रेस में चल रहे अंदरूनी घमासान से मीना शर्मा आहत थी। जिसके चलते उन्होंने आखिरकार भाजपा में जाने का निर्णय लिया। उन्हें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने सदस्यता दिलायी और पार्टी में पूरा सम्मान देने का आश्वासन दिया। बताया जाता है कि मीना शर्मा को यह आश्वासन भी मिला है कि 2027 में जब विधानसभा चुनाव होंगे तब रूद्रपुर सीट महिला आरक्षित होगी और तब मीना शर्मा को टिकट दिया जायेगा। फिलहाल मीना शर्मा का कहना है कि उन्हें कांग्रेस से कोई शिकायत नहीं है बल्कि कांग्रेस में जो लोग जड़ें खोद रहे हैं उन लोगों से शिकायत है। उन्होंने कहा वह अपने पति के साथ मिलकर वर्षों से पार्टी को सीच रही थी जबकि दूसरी तरफ कुछ कांग्रेसी ही पार्टी को कमजोर करने में लगे हुए थे। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस उन्हें सीएम भी बना दे तो भी कांग्रेस में नहीं जायेंगी।

पेज एक का शेष...

पूर्व विधायक ठुकराल...

में अपने भाई संजय ठुकराल को मेयर का चुनाव लड़ाने की तैयारी में थे। शायद उनकी सोच यही थी कि भाजपा ने संजय ठुकराल को मेयर का टिकट दिया तो भाजपा में घर वापसी करेंगे अन्यथा कांग्रेस में शामिल होकर कांग्रेस के टिकट पर संजय को मेयर का चुनाव लड़ायेंगे। लेकिन मेयर की सीट एक बार फिर अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित होने से उनकी यह रणनीति धरी रह गयी। अब ठुकराल ने भाजपा में जाने में ही अपनी भलाई समझी और बीते कई दिनों से चल रहे प्रयासों के बाद आखिरकार देहरादून में मुख्यमंत्री धामी के आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में सीएम धामी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट और केन्द्रीय मंत्री अजय भट्ट की मौजूदगी में आज अपने कई समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थाम लिया। इस दौरान सीएम धामी और केन्द्रीय मंत्री अजय भट्ट, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट सहित अन्य भाजपा नेताओं ने राजकुमार ठुकराल, उनके भाई संजय ठुकराल सहित अन्य समर्थकों का फूल मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान ठुकराल ने कहा कि भाजपा उनकी मां है और मां को छोड़कर बेटा अलग नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के उकसाने पर वह चुनाव मैदान में उतर गये थे लेकिन उन्हें इसका अफसोस हुआ और उन्होंने अब घर वापसी का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी को भी उन्हें जिम्मेदारी देगी वह सहर्ष स्वीकार करेंगे। ठुकराल के प्रवक्ता आशीष छाबड़ा ने दूरभाष पर बताया कि ठुकराल की घर वापसी का यह कार्यक्रम अत्यंत गोपनीय रखा गया था। कार्यक्रम से पहले सीएम और प्रदेश अध्यक्ष के साथ पांच घंटे तक बंद कमरे में मीटिंग चली। इस मीटिंग में मौजूदा विधायक शिव अरोरा भी थे। सीएम ने दोनों के सारे गिले शिकवे दूर करवाये और भविष्य में सारे काम मिलजुलकर करने का निर्णय लिया।

धामी का ऐलान..

देना होगा। सीएम की इस घोषणा से रूद्रपुर के हजारों लोगों में जश्न का माहौल है। लोग होली के बाद सीएम को सोने का मुकुट पहनाकर सम्मानित करने की तैयारी कर रहे हैं। इधर भाजपाईयों में नई नजूल नीति का श्रेय लेने की होड़ लग गयी है। विधायक शिव अरोरा नई नजूल नीति को अपने अथक प्रयासों का नतीजा बता रहे हैं तो दूसरी तरफ मेयर रापमाल का कहना है कि उन्होंने कुर्सी पर न बैठने की प्रतिज्ञा ली थी, नई नजूल नीति लागू होने से उनकी प्रतिज्ञा पूरी हुयी है। उधर खुद को सीएम का खास मानने वाले भाजपा प्रदेश मंत्री विकास शर्मा भी श्रेय लेने में पीछे नहीं है। उनका कहना है कि सीएम धामी से उनके करीबी सम्बंध हैं इन्हीं सम्बंधों का लाभ उठाकर उन्होंने सीएम से खास तौर पर मिन्नतें करके यह नीति लागू करवायी है। उधर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल इसे अपने संघर्ष का प्रतिफल मानते हैं। उनका कहना था कि उनकी वर्षों की मेहनत रंग लायी है। भले ही वह विधायक नहीं बने लेकिन नजूल नीति बनने से उन्हें विधायक बनने जैसा ही सुकून मिला है।

शिव आरोरा को मिला..

कहना है कि उन्होंने राज्य मंत्री बनने का नहीं बल्कि कैबिनेट मंत्री बनने का सपना देखा है। वह राज्य मंत्री बनने के लिए चुनाव नहीं लड़े थे बल्कि कैबिनेट मंत्री बनने के लिए चुनाव लड़े थे। अगर राज्य मंत्री ही बनना होता तो वह बिना चुनाव लड़े भी बन सकते थे। अरोरा ने कहा कि उनकी डील पार्टी के वरिष्ठ नेता से कैबिनेट मंत्री बनने के लिए हुई थी। लेकिन डील पूरी नहीं करके उनके साथ छल प्रपंच किया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले को वह पीएम मोदी और अमित शाह तक लेकर जायेंगे।

वरिष्ठ समाजसेवी....

उन्होंने पैसों के दम पर यह दोनों डिग्रीयां हासिल की है। जिसकों लेकर उनका श्री बत्रा से विवाद चल रहा है कि वह बिना पढ़ाई के मरीजों का ईलाज कैसे करेंगे। काफी समझाने पर श्री बत्रा ने 5 सालों तक नर्सिंग ट्रेनिंग लेने का आश्वासन दिया है और यह पूरी करने के बाद ही वह भारत में प्रैक्टिस शुरू करने के लिये रजिस्ट्रेशन करायेंगे। तब तक श्री बत्रा इमरजेंसी में बतौर नर्सिंग स्टाफ कार्यरत रहेंगे। श्री बत्रा ने चिकित्सक बनने की खुशी में होली पर एक बड़ी पार्टी का आयोजन करने हुये रूद्रपुर वासियों से उसमें शामिल होने की अपील की है।

लालपुर में समाजसेवी हरविंदर चुघ ने लगायेंगे ब्लड फैक्ट्री

अब जरूरत पड़ने पर खून के लिए नहीं करनी पड़ेगी दौड़ भाग

रूद्रपुर(होली ब्यूरो)। लम्बे समय से समाजसेवा में अग्रणी लालपुर निवासी हरविंदर सिंह चुघ ने जरूरतमंदों की मदद के लिए ब्लड फैक्ट्री लगाने का ऐलान किया है। जिसमें चौबीस घंटे खून उपलब्ध होगा। बता दें समाजसेवी हरविंदर सिंह लम्बे समय से जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर हैं। खासकर जरूरत पड़ने पर वह मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास करते हैं। हरविंदर चुघ खुद रक्तदान करने के साथ साथ दूसरों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करते हैं। उनके द्वारा अब तक कई बार रक्तदान कैम्प भी लगाये जा चुके हैं। उनसे प्रेरणा लेकर अब तक हजारों लोग रक्तदान कर चुके हैं। खासकर कोविड के दौरान हरविंदर चुघ ने मरीजों की सेवा के लिए दिन रात एक कर दिया था। उन्होने आधी रात को भी जरूरत पड़ने पर कोरोना प्रभावित लोगों की मदद की और दवा से लेकर प्रभावितों को भोजन आदि की व्यवस्था में भी वह पीछे नहीं रहे। रक्तदान के क्षेत्र में सराहनीय कार्यों के लिए समाजसेवी हरविंदर चुघ को अब तक कई बार सम्मानित किया जा चुका है। अब हरविंदर सिंह चुघ ने जल्द ही लालपुर क्षेत्र में ब्लड की उपलब्धता के लिए एक फैक्ट्री लगाने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि इस फैक्ट्री में चौबीस घंटे रक्त उपलब्ध होगा। कोई भी यहां से खाली नहीं लौटेगा। उन्होंने कहा कि उनके खून की एक एक बूंद भी किसी के काम आ सकी तो वह उसके लिए भी पीछे नहीं हटेंगे।

पाठकों के लिए सूचना

रंगों के पर्व होली की समस्त सुधि पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं। आज का अंक होली के उपलक्ष्य में मस्ती और मनोरंजन के लिए हैं। आज के अंक में प्रकाशित समाचार, टाईटल,फोटो आदि का वास्तविकता से कोई सरोकार नहीं है। इन्हें अन्यथा न लेते हुए सिर्फ मनोरंजन तक ही सीमित रखें। होली के उपलक्ष्य में दिनांक 08.03.2023 को उत्तरांचल दर्पण कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 09 मार्च 2023 को प्रकाशित होगा। -सम्पादक

ANANT GRAPHICS
We Deals In
All Kinds of Printing Solution...
Price | Time | Quality
Pamphlets | Business Cards | Posters Stickers | Letterheads | ID Cards | Perfect Binding | Catalogues
Cold Lamination | Brochures | Die-Cutting | Thermal Lamination | Labels | Eco Vinyl Printing
Add:- Uttaranchal Darpan Campus, Shyam Talkies Road, 26 Kalyani View, Rudrapur
More information call us 98377 77818
E-mail : anantgraphics.rdr@gmail.com

वाटर प्रूफिंग
हमारे यहां मकान की वाटर प्रूफिंग जैसे- छत का टपकना, सिलन आना, लिकीज होना, बेसमेन्ट, शौचालय, बाथरूम, किचन में सिलन आना व पानी टपकना एवं टिन शैड का कार्य सन्तोषजनक किया जाता है।
प्रो. शादाब खान
9012051994, 6399038125
आर्क होटल के पीछे, बत्रा कालोनी, बिलासपुर रोड, रुद्रपुर

Shri Shyam Properties
Deals In: Sale, Purchase And Rent Of Any Type Of Property
CONTACT NO.: 7830482222, 7500049657

MANUFACTURE DATE, EXPIRY DATE, BATCH CODE, PRINTER
AVAILABLE HERE
NEELKANTH ENTERPRISE
Near G Mart, Kashipur By Pass Road, Rudrapur Ph.: 9837071614

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरूनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

रुद्रपुर में एक बार फिर आरक्षित हुयी मेयर की सीट

कई नेताओं के सपनों पर फिरा पानी रामपाल की फिर लगी लॉटरी

देहरादून/रूद्रपुर(होली ब्यूरो)। देहरादून से बड़ी खबर आ रही है। रूद्रपुर में मेयर की सीट एक बार फिर अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हो गयी है। इससे मेयर बनने का सपना देख रहे कई नेताओं को बड़ा झटका लगा है। दूसरी तरफ मौजूदा मेयर रामपाल की एक बार फिर लॉटरी लग गयी है। उनके कामकाज और शालीनता को देखते हुए भाजपा नेतृत्व एक बार फिर उन्हें मेयर का चुनाव लड़ाने की तैयारी कर रहा है। विश्वस्त सूत्रों से खबर मिली है कि रूद्रपुर मेयर की सीट इस बार भी अनुसूचित जाति के आरिक्षत होगी। यह फैसला सरकार और संगठन की अहम बैठक में लिया गया है। हालाकि अभी इसकी घोषणा होनी शेष है। बता दें निकाय चुनाव इसी साल होने हैं जिसके तैयारियां शुरू हो गयी हैं। रूद्रपुर में मेयर की सीट के आरक्षण पर सभी की निगाहें टिकी हुयी थी। पालिका से नगर निगम बनने के बाद रूद्रपुर में अब तीसरी बार चुनाव होने जा रहा है। पहली बार मेयर की सीट अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित हुयी थी। जबकि दूसरी बार इसे अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया था। पिछली बार भी मेयर की सीट आरक्षित होने से मेयर बनने का सपना देख रहे कई नेताओं के सपनों पर पानी फिर गया था। इस बार इन नेताओं को उम्मीद थी कि सीट हर हाल में सामान्य होगी। लेकिन सूत्र बताते हैं कि एक बार फिर मेयर की सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया जा रहा है। दरअसल इसके पीछे कई कारण रहे हैं। या यूं कहें कि भाजपा ने इस सीट को पुन: आरक्षित करके एक तीर से कई निशाने साधने का काम किया है। दरअसल भाजपा मेयर की सीट को अनारक्षित करती तो पार्टी के सामने सबसे बड़ी दिक्कत बगावत की थी। क्यों कि इस सीट पर भाजपा के टिकट की दौड़ में करीब एक दर्जन नाम है। जिन्हें मनाना आसान नहीं था। क्यों कि इनमें से कई नेता ऐसे हैं जो पिछले 15 सालों से मेयर बनने का सपना देख रहे थे। लम्बी फेहरिस्त में से किसी एक का नाम फाईनल करना भाजपा के लिए आसान नहीं था। दूसरी तरफ हाल ही में भाजपा से बगावत करके विधानसभा चुनाव लड़ चुके राजकुमार ठुकराल भी पार्टी के लिए खतरा बने हुए थे। पार्टी को अंदेशा था कि सामान्य सीट होने पर ठुकराल अपने भाई संजय ठुकराल को चुनाव लड़ाने के लिए कांग्रेस में पलटी मार सकते हैं। जिससे भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती है। इसकी वजह यह भी है कि शहर में ठुकराल का अच्छा खासा वोट बैंक है। वहीं भाजपा ने मेयर की सीट को को आरक्षित करके कांग्रेस से विधानसभा चुनाव लड़ चुकी मीना शर्मा को भी किनारे लगा दिया है। सीट आरक्षित नहीं होती तो मीना शर्मा भी भाजपा को नुकसान पहुंचा सकती थी। क्यों कि विधानसभा चुनाव में दूसरे नम्बर पर रही मीना शर्मा अब मेयर बनने के लिए चुनावी दंगल में कूदने की तैयारी कर रही थी, सीट आरक्षित होने से अब एक बार फिर उनके सपनों पर पानी फिर गया है। बहरहाल मेयर की सीट पुन: आरक्षित होने से जहां कई नेताओं के चेहरों की हवाईयां उड़ गयी है वहीं मेयर रामपाल सिंह की एक बार फिर लॉटरी लगी है। बताया जाता है कि पार्टी हाई कमान मेयर की साफ सुथरी कार्यशैली और सरल स्वभाव को देखते हुए उन्हें एक बार फिर चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी कर रहा है। इससे रामपाल के समर्थकों में खुशी की लहर है।